वर्षों के दौरान, हशीश की मात्रा सहित उसके अभिग्रहण के मामलों की संख्या और गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या इस प्रकार है :—

वर्ष	मामलों की संख्या	अभिगृहीत मात्रा (किलोग्राम)	गिरफ्तार किये गए व्यक्तियों की संख्या
	बम्बई		
1985	33	5,700	47
1986	35	6,851	52
1987	44	7,250	53
	दिल्ली		
1985	22	1,987	26
1986	22	3,418	31
1987	17	131	15
	कलकत्ता		
1985	5	95	9
1986	11	946	18
1987	2	11	3

(मद्रास शहर में वर्ष 1986 में 0.570 किलोग्राम का एक ही अभिग्रहण का मामला था जिसमें एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था ।)

(टिप्पणी : 1987 के आंकड़े अन्तिम हैं । आंकड़े निकटतम किलोग्राम तक पूर्णांकित हैं ।)

अभिगृहीत नशीले औषध-द्रव्यों का ठीक-ठीक मूल्य निश्चित नहीं आंका जा सकता है क्योंकि यह विभिन्न कारणों पर निर्भर करता है जैसे नशीले औषध-द्रव्यों की गुणवत्ता, उनका उद्गम स्थान और उनकी बिक्री, आदि । हशीश के अभिग्रहण के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों पर कानून के तहत, समुचित कार्रवाई के लिए मुकदमा चलाया गया है । विधिक कार्यवाहियों के बाद निपटान हेतु तैयार जब्तशुदा हशीश को सरकार की निगरानी में जलाकर नष्ट कर दिया जाता है ।

"भगीरथ" पत्रिका का संपादक मंडल

2782. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) "भगीरथ" पत्रिका के वर्तमान संपादक मंडल के अध्यक्ष और सदस्यों की शैक्षिक अर्हताएं और पत्रकारिता संबंधी अनुभव क्या हैं ;

(ख) यह मंडल कब और किन नियमों के अधीन गठित किया गया है ;

(ग) पुराने संपादक मंडल से लेखकों और पत्रकारों को निकाले जाने और उसमें इंजीनियरी अधिकारियों को सम्मिलित किये जाने के क्या कारण हैं ; और

(घ) हिन्दी जानने वाले विद्वानों को संपादक मंडल में रखने तथा पत्रिका के स्तर में सुधार लाने के लिए क्या कदम उठाए जाने का विचार है ।

जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) से (ग) वर्तमान सम्पादक मण्डलों के सदस्यों की अर्हताएं संलग्न विवरण में दी गई हैं (**नीचे देखिए**) । केन्द्रीय जल आयोग सम्पादक मण्डलों का गठन करता है । चूंकि केन्द्रीय जल आयोग से बाहर के बोर्ड के सदस्य अधिकांशत: बैठकों में भाग नहीं लेते थे, अत: उन सदस्यों को हटा दिया गया । इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि इस अर्द्ध-तकनीकी पत्रिका को अनिवार्यत: तकनीकी अधिकारियों द्वारा मार्गदर्शन तथा पर्यवेक्षण दिया जाना अपेक्षित है, केन्द्रीय जल आयोग के अधिकारी जो सुलभता से उपलब्ध होते है, सम्पादक मण्डलों में लाए गए ।

(घ) सम्पादक मण्डलों के पुनर्गठन के परिणामस्वरूप पत्रिका के स्तर में सुधार हुआ है ।

विवरण

25-8-86 से भगीरथ के लिए सम्पादक मंडल का गठन

भागीरथ (हिन्दी) के लिए सम्पादक मंडल

(1) श्री आर०बी० शाह	मुख्य इन्जीनियर, के०जल०आ०	बी०ई० (आनर्स) (सिविल)	अध्यक्ष
(2) श्री सुरेश चन्द्र	निदेशक, के०जल०आ०	बी०एस०सी० (इंजी०) (सिविल)	सदस्य
(3) श्रीएम०एस० मनोचा	निदेशक, के०जल०आ०	बी०ई० (सिविल)	सदस्य
(4) श्री एम०एस० बिसारिया	निदेशक, के०जल०आ०	बी०ई० (सिविल)	सदस्य
(5) श्री एस० एस० पहूजा	निदेशक, के०जल०आ०	बी०एस०सी० (इंजी०) (सिविल)	सदस्य
(6) श्री आर०एन०पी०सिंह	उप निदेशक, के०जल०आ०	एम०टेक०	सदस्य
(7) श्री आर० एस० पाण्डे	निदेशक, के०ल०वि०प्रा०	बी०ई० (इलेक्ट०) एम०ई० (इलेक्ट)	सदस्य
(8) श्री बी०डी० पटेरिया (सम्पादक)	उप निदेशक, के०जल०आ०	एम० आई०ई० (भारत) हाइड्रोलोजीफोरकास्टिंग मे पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट (यू०एस०ए०)*	सस्दय*

*इनको राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन में उनके द्वारा किए गए अत्यन्त उत्कृष्ट कार्य के लिए 19 अगस्त, 1985 को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा एक शील्ड तथा प्रमाण-पत्र दिया गया था ।

भागीरथ (अंग्रेजी) के लिए सम्पादक मंडल

1. श्री आर०बी० शाह	मुख्य जीनियर, के०जल०आ०	बी०ई० (आनर्स) (सिविल)	अध्यक्ष
2. श्री सुरेश चन्द्र	निदेशक, के०जल०आ०	बी०एस०सी० (इंजी०) (सिविल)	सदस्य
3. श्री जे डं० हसन	मुख्य इंजीनियर, के०जल०आ०	बी०एस०सी० (सिविल इंजी०मे	सदस्य
4. श्री आर०बी० राव	निदेशक, के०जल०आ०	बी०ई० (सिविल)	सदस्य
5. श्री पी० सच्चिदानन्द	निदेशक, के०जल०आ०	बी०एस०सी० (इंजी०) (सिविल)	सदस्य
6. श्री एम०एल० गबेजा	निदेशक, के०जल०आ०	बी०एस०सी० (इंजी०) (सिविल)	सदस्य
7. श्री आर०एस० पाण्डे	निदेशक, के०वि०प्रा०	बी०ई० (इलैक्ट०) एम०ई० (इलेक्ट०)	सदस्य
8. श्री बी० डी० पटेरिया (सम्पादक)	उप निदेशक, के०जल०आ०	जैसा उपरोक्त क्रम सं० 8में	सदस्य

Link between S.P.I.N. workers and T.N.Vs.

2783. SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news-item which appeared in the 'Telegraph' dated the 15th February, 1988 wherein it has been alleged that there are links between SPIN workers and the secessionist Tribal National Volunteers in Tripura; and

(b) if so, whether Government propose to get this matter investigated through some high-powered agency and if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI): (a) and (b) Government's attention has been drawn to the news-item. Tripura/Tribal National Volunteers (TNB) has been declared as an 'Unlawful Association' under the provisions of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967. Under this Act, the State Government is empowered to take action against the members of an unlawful association and its collaborators.

गुमनाम बाबा की पहचान

2784. डा० रत्नाकर पाण्डेय : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि फैजाबाद (उत्तर प्रदेश) में 16 सितम्बर, 1987 को स्वर्गस्थ 'गुमनाम बाबा" की पहचान कर ली गयी है ;

(ख) यदि हां, तो उनके अन्तिम निवास स्थान से नेताजी सुभाष चन्द्र बोस से संबंद्ध कितनी चीजे बरामद हुई है;

(ग) इस संबंध में उनसे प्राप्त सुरागों के आधार पर की गयी छानबीन का क्या परिणाम निकला है;

(घ) गमनाम बाबा" के सी०आई० ए० के एजेंट होने की संभावना का पता लगाने के लिए किस हद तक जांच की गयी, और

(ङ) उक्त बाबा की आय के स्रोत क्या थे ?